

## 2418 Я молился раз и ждал

Внемли гласу вопля моего, Царь мой и Бог мой! ибо я к Тебе молюсь. (Пс. 5, 3)

Обработка:  
A. Epp

Em

H<sup>7</sup> Em/H H

H Em

1. Я    мо - лил - ся    раз    и    ждал,    Я    мо - лил - ся    два    и    ждал,  
2. Я    мо - лил - ся    раз    и    ждал,    Я    мо - лил - ся    два    и    ждал,  
3. Я    мо - лил - ся    раз    и    ждал,    Я    мо - лил - ся    два    и    ждал,  
4. Я    мо - лил - ся    раз    и    ждал,    Я    мо - лил - ся    два    и    ждал,  
5. Я    мо - лил - ся    раз    и    ждал,    Я    мо - лил - ся    два    и    ждал,

Fis<sup>o</sup>/A Am H Em/H H Em

1. Чтоб от тьмы и зла зем - но - го Бог ме - ня хра - нил.  
2. Средь вол - ны не - ве - ри - я Чтоб я не у - то - пал.  
3. Что - бы Бог ме - ня ус - лы - шал, Путь мой ох - ра - нял.  
4. Чтоб Хри - стос сре - ди стра - да - ний Луч - ший дал у - дел.  
5. Что - бы Бог мне дал на - гра - ду, Путь мой у - вен - чал.

Припев

Em

Am

H

На зем - ле и на во - де Я по - мо - гу те - бе».